आईआईटी बीएचयू में आयोजित समारोह के समापन सत्र में बोले रेल राज्यमंत्री, बदलती प्रौद्योगिकी शिक्षकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती

विकास को साथ आएं शिक्षा व उद्योग जगत : सिन्हा

शताब्दी समारोह

वाराणसी | निज संवाददाता

संचार एवं रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने कहा कि बदलती प्रौद्योगिकी शिक्षकों के सामने बड़ी चुनौती है। वहीं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बदलाव विकास के लिए जरूरी है। शिक्षा व उद्योग जगत साथ काम करेंगे तभी विकास की गति तेज होगी। उद्योगों की मांग के अनुसार युवा तैयार होंगे। बेरोजगारी दूर होगी।

मनोज सिन्हा सोमवार को आईआईटी बीएचयू के ग्लोबल एलुमिनी मीट व शताब्दी वर्ष समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के वरीयता क्रम में शामिल होने के लिए यहां के शिक्षकों व विद्यार्थियों को संकल्प लेना होगा। अगली रैंकिंग में आईआईटी बीएचयू का नाम उसमें जरूर होना चाहिए। भावी इंजीनियरों का उन्होंने आह्वान किया कि दुनिया के चुनिंदा दौ सौ प्रौद्योगिकी संस्थानों में आईआईटी बीएचयू को भी शामिल कराने का प्रयास करें। यह विश्वविद्यालय परिवार की ओर से महामना को शताब्दी वर्ष की सही श्रद्धांजलि होगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएचयू के कुलपति प्रो. राकेश भटनागर ने कहा कि बीएचयू और आईआईटी बीएचयू एक साथ कई डिग्री प्रोग्राम और रिसर्च कार्य करने पर विचार कर रहे हैं। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने संस्थान में हो रहे इनोवेशन, स्टार्टअप और रिसर्च की जानकारी दी।

प्रगति की आधारशिला है इनोवेशन

रेल राज्यमंत्री ने कहा कि इनोवेशन प्रगति की आधारशिला है। बिना इसके संस्थान आगे नहीं बढ़ सकता। इंटरप्रेन्योरशिप और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया के कार्यक्रम प्रारंभ हुए हैं। उन्होंने सलाह दी कि विद्यार्थी केवल नौकरी के अवसर की तलाश न करें बल्कि उद्यमी बनने का प्रयत्न करें। स्वतंत्र राष्ट्र की यह जरूरत है।

संस्थान बढ़ाए रिसर्च आउटपुट : संचार राज्य मंत्री ने कहा कि संस्थान को रिसर्च आउटपुट बढ़ाने की जरूरत है। इससे अलग पहचान मिलती है। इंडस्ट्री के साथ मजबूत पार्टनरशिप बनाने में शोध अध्ययन के परिणाम बहुत मायने रखते हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट और यहां के क्लासरूम, लैब को और आधुनिक बनाने की जरूरत है।

एलुमनी सहयोग का तैयार हो ढांचा : मनोज सिन्हा ने कहा कि आईआईटी बीएचयू के पुरातन छात्र देश विदेश में परचम लहरा रहे हैं। संस्थान ऐसा ढांचा तैयार करे जिससे पुरातन छात्रों को जोड़ा जा सके। संस्थान कैसा बदलाव चाहता है और पुरातन छात्र उसमें कैसे मदद कर सकते हैं, यह सुनिश्चित हो।

आईआईटी बीएचयू के ग्लोबल एलुमिनी मीट एवं शताब्दी समारोह के समापन पर सोमवार को रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा को सम्मानित करते संस्थान के निदेशक प्रो. पीके जैन और आयोजन कमेटी के अध्यक्ष नितिन मेल्होत्रा(बांयें से दूसरे एवं पहले)। इस मौके पर बीएचयू के कुलपति प्रो. राकेश भटनागर (सबसे दाएं) भी मौजूद रहे। • हिन्दुस्तान

ग्लोबल एलुमिनी एवार्ड से नवाजे गए पुरातन छात्र

समापन समारोह में पुरातन छात्रों को ग्लोबल एलुमिनी अवार्ड से नवाजा गया। स्वागत शताब्दी समारोह की आयोजन कमेटी के चेयरमैन नितिन मल्होत्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी ने दिया। समारोह में प्रो. राजीव प्रकाश, डॉ एसपी माथुर, प्रो. पीके मिश्रा, प्रो. बीएन राय आदि उपस्थित थे। शाम को आयोजित कवि सम्मेलन में गजेंद्र प्रियांशु, सुरेंद्र शर्मा, प्रख्यात मिश्रा, पूनम वर्मा, अनिल चौबे, गजेंद्र सोलंकी ने काव्य पाठ किया।

इनका हुआ सम्मान : सदी के श्रेष्ठ पुरा छात्र

कृष्णकांत, वेदप्रकाश गोयल, अशोक सिंघल, कर्नल एसपी वाही (सभी मरणोपरांत), यूएस अवस्थी, प्रो. एसपी सुखात्मे, डॉ रामचरन, डॉ कोटा हरिनारायन व डॉ पल्ले रामा रॉव।

एलुमिनस ऑफ सेंचुरी इन मेकिंग अवार्ड

जय चौधरी, दीपक आहूजा, प्रो. एस बंदोपाध्याय, प्रो. अखिलेश लखटकिया, पंकज चंद्रा, अरविंद गुप्ता, प्रो. अमित भसीन, डॉ. पुलिकेल अजयन और मनोज सिन्हा को मिला।

संस्थान की विशिष्ट सेवा के लिए ये हुए सम्मानित

पुरातन छात्र प्रो. एनपी गांधी, प्रो. दया स्वरूप, प्रो. एम सेन गुप्ता, प्रो. एमपी नेटारवाला, प्रो. गोपाल त्रिपाठी, प्रो. एसएस सलूजा (मरणोपरांत) को सम्मान प्रदान किया गया।

मातृ संस्था को समर्पित किया पूर्व छात्र अवार्ड

एनसी जैन, पी रामाचन्द्रन, प्रो. बीवी धर, दीपक पहवा, नितिन मल्होत्रा, सुनील खन्ना, राजीव गुप्ता, देबाशीष भट्टाचार्या, एलसी सिंह तथा डॉ पॉल चुग।

आईआईटी में बनी इलेक्ट्रिक वैन पर संचार मंत्री हुए सवार

वाराणसी | निज संवाददाता

संचार व रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने आईआईटी बीएचयू में तैयार पहली इलेक्ट्रिक वैन की सोमवार को सवारी की। उनके साथ संस्थान के निदेशक प्रो. पीके जैन भी थे। आईआईटी बीएचयू के भावी इंजीनियरों की ओर से तैयार बैटरी चालित पहली वैन की रफ्तार 55 किमी प्रति घंटा होगी। यह 700 किलोग्राम तक वजन सहन कर सकेगी। बैटरी फुल चार्ज होने पर 120 किमी की दूरी तय करती है।

संचार राज्यमंत्री स्वतंत्रता भवन में आयोजित ग्लोबल एलुमिनी मीट व शताब्दी वर्ष समारोह के समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे। आईआईटी की क्लीन इलेक्ट्रिक टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे नवीन उत्पादों के से देश का भविष्य सुनहरा होगा।

एक घंटे में चार्ज होती है बैटरी : डीसी फास्ट चार्जर के माध्यम से इलेक्ट्रिक वैन की बैटरी महज एक घंटे में फुल चार्ज हो सकती है। अन्य बैटरी चलित गाड़ियों को चार्ज करने में चार से पांच घंटे का समय लगता है।

सभी विभागों की भागीदारी : इस प्रोजेक्ट में संस्थान के सभी विभागों की भागीदारी है। टीम का नेतृत्व सुदीप्त दास, प्रवीण कुमार यादव ने किया। वैन को माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग में और विकसित किया जा रहा है।

कार निर्माण में सहयोगी के रूप में निदेशक प्रो. पीके जैन, प्रो. राजीव प्रकाश, प्रो. संजय कुमार शर्मा, प्रो. एलटी चंद्रा, प्रो. तरुण वर्मा, प्रो. श्याम कमल ने योगदान दिया।

सोमवार को आईआईटी बीएचयू में इलेक्ट्रिक वैन की सवारी करते रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा। • हिन्दुस्तान

उपलब्धि

- संस्थान के भावी इंजीनियरों ने बनाई बैटरी चालित वैन
- वैन की रफ्तार 55 किमी प्रति घंटा, भार क्षमता 700 किलो